TREND OF POPULATION GROWTH. (6.8) (1)

भौगोलिक वातावरण के सबसे महत्वपूर्ण तत्व, किसी देश का अमूल्य संसाधन, सभी संसाधनों का आधार एवं उत्पादक, विनिमयकर्ता तथा उपभोक्ता के रूप में मानव का भूगोल में विशिष्ट स्थान है अतः जनसंख्या संबंधी विभिन्न पहलू का अध्ययन भी मानव भूगोल का काफी महत्वपूर्ण पहलू है। की जाती

POPULATION GROWTH.

मानव का पृथ्वी पर आगमन आज से लगभग 3 लाख वर्ष पूर्व ~~ही हो चुका था~~ प्लीस्टोसिन काल में ही हो चुका था किंतु प्रारंभ में इसकी वृद्धि दर काफी धीमी थी। प्रतिकूल जलवायविक दशा, आदिमानव की आखेटक व वनवस्तु संग्राहक प्रवृत्ति तथा निम्न पोषण स्तर सभी जनसंख्या वृद्धि के प्रतिकूल थी। इस काल में जनवृद्धि की कोई प्रवृत्ति उभरकर सामने नहीं आई थी। कृषि क्रांति वह समय रेखा है जहाँ से जनसंख्या के किसी प्रवृत्ति को अनुमानतः निरूपित किया जा सकता है। इस प्रकार पिछले 10 हजार वर्षों के मानव जीवन के इतिहास को निम्न काल खंड में विभाजित कर सकते हैं जहाँ जनवृद्धि की अलग-अलग प्रवृत्ति देखने को मिलती है:-

TRENDS OF POPULATION GROWTH.

Prior to agricultural revolution. | 2. After agricultural revolution. | 3. After industrial revolution.

1. ———

कृषि क्रांति आज से 10,000 वर्ष पहले अथवा 8,000 B.C. में शुरू हुई। जनसंख्या वृद्धि के इतिहास का यह पहला विभाजक रेखा है। इसके पूर्व के जनसंख्या के बारे में कोई लिखित अथवा प्रत्यक्ष प्रमाण उपलब्ध नहीं है। जनसंख्यावेत्ता ने उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर 8000 B.C. तक विश्व की कुल जनसंख्या 5 million निर्धारित किया है। अनुमानतः पृथ्वी के कुल 150 million भूमि के 52 million वर्ग कि॰मी॰ भूमि पर आदि मानव का विस्तार था। चूंकि सभी लोग शिकार अथवा कंद मूल पर ही निर्भर थे, माना जाता है कि 4 व्यक्ति प्रति सौ वर्ग कि॰मी॰ से अधिक जनघनत्व संभव नहीं था। यह काल उच्च जन्मदर एवं उच्च मृत्युदर का था। उच्च मृत्युदर के अलावा नियंत्रित यौन संबंध, गर्भपात, बालहत्या एवं गर्भनिरोधक गुण वाले पौधे के प्रयोग द्वारा भी जनवृद्धि को नियंत्रित

विभिन्न देशों एवं महादेशों में जनसंख्या वृद्धि की भिन्न-भिन्न दरें :-

आज प्रत्येक वर्ष विश्व में 90 million आबादी की बढ़ोतरी हो जाती है अर्थात 2.8 व्यक्ति प्रति सेकेंड जन्म लेता है। निश्चित रूप से यह दर प्रत्येक जगह समान रूप में नहीं मिलता है। नीचे के कुछ चुने देश की जनसंख्या के दुगने होने के दर से वहाँ के जनसंख्या वृद्धि की प्रकृति को समझा जा सकता है—

Country.	Years for population to double.	Country	Years for Population to double.
चीन	61	नाइजीरिया	26
भारत	35	मैक्सिको	31
U.S.A.	100	जर्मनी	—
इंडोनेशिया	43	ईरान	25
ब्राजील	40	मिस्र	31
पाकिस्तान	27	U.K.	280
सोवियत रूस	—	फ्रांस,	182
बांग्लादेश	29	WORLD.	43.
जापान।	270.		

SOURCE:- Human Development Report 2000.
Census of India, 2001.

उपरोक्त आँकड़ों से स्पष्ट पता चलता है कि U.K., जापान, फ्रांस, U.S.A. जैसे देशों में जनसंख्या वृद्धि अत्यंत धीमी है। जर्मनी और सोवियत रूस तो ऐसे देश हैं जहाँ की जनसंख्या 500 सालों में भी दुगुना नहीं होगा। इसके उल्टे यदि इन विकसित देशों की यही ऋणात्मक वृद्धि दर जारी रही तो यूरोप का बड़ा सा क्षेत्र विरल जनसंख्या (De-populated) का वाला क्षेत्र बन जाएगा।

कुछ देशों के Projected feagure इसके दिलचस्प अवांछित विशेषता बताते हैं। चीन जो 2000 ई० में विश्व की 21.5% जनसंख्या रखता था 2025 में संभवतः 1480 million वाला देश तो बन जाएगा किंतु प्रतिशत हिस्सेदारी घटके 21.14 ही रह जाएगी। जबकि भारत जनसंख्या संख्या एवं प्रतिशत दोनों में वृद्धि दर्ज होगा। इसके विपरीत U.S.A. जो 2000 में विश्व का 5% जनसंख्या रखता था 2025 में 4.74% ही रह पाएगा। जापान एवं ब्राजील की भी ~~हिस्सेदारी~~ विश्व जनसंख्या में हिस्सेदारी घटेगी। इसके विपरीत पाकिस्तान एवं बांग्लादेश आश्चर्यजनक रूप तीव्र जनसंख्या वृद्धि दर्ज होगा। पाकिस्तान 2000 के 156.5 m से बढ़कर 2025 में 2069 million वाला देश हो जाएगा तथा % हिस्सेदारी 2.6 से बढ़कर 3.93 हो जाएगी और यही प्रवृत्ति बांग्लादेश में भी देखी जाएगी।

किया जाता था। इसके वजह प्राकृतिक संसाधन एवं मानव के बीच संतुलन बना रहता था।

2. —— 8000 BC में कृषि खोज के बाद जनसंख्या तीव्र गति से बढ़ी। स्थायी जीवन एवं भोजन के अपेक्षाकृत अधिक निश्चिंतता ने जनवृद्धि को प्रोत्साहित किया। कृषि कार्य में सहायक व बुढ़ापे की सहारा होने से संतान वृद्धि को प्रोत्साहित किया गया। किंतु इसके बावजूद जनसंख्या वृद्धि लगातार रूप में नहीं देखी गयी। सभ्यताओं के उत्थान एवं पतन, अच्छे बुरे मौसम का आगमन, तथा युद्ध एवं अकाल के कारण जनसंख्या वृद्धि बाधित होता रहा। किंतु फिर भी कृषि क्रांति ने उच्च जनसंख्या घनत्व को प्रोत्साहित किया। 8000 BC. तक की अनुमानित जनसंख्या 1 AD तक बढ़कर 20 करोड़ हो गई। मानव निवास भी अफ्रीका से बढ़कर एशिया, यूरोप एवं अमेरिका महाद्वीप तक फैल गया।

मध्यकाल में व्यापार-व्यवसाय पर अधिक और से कई नगरों का उदय हुआ। इनके अन्नादि जरूरतों के लिए कृषि पर जोर दिया गया। दोनों का सम्मिलित प्रभाव जनसंख्या वृद्धि को प्रोत्साहित किया। औद्योगिक क्रांति से पूर्व तक जनसंख्या की मुख्य विशेषता उच्च शिशु मृत्यु दर, निम्न जीवन-प्रत्याशा (35 वर्ष से कम), उच्च जन्म एवं मृत्यु दर, क्रमिक अंतराल पर अकाल एवं कुपोषण तथा महामारियों का प्रकोप रही।

GROWTH OF WORLD POPULATION.

Year.	Population in million	No. of years to add one 1 (one) billion people.
10.000 BP	5	
1 AD.	200	
1000 AD.	300	
1750	800	
1850	1000 (1 billion).	
1930	2000	80.
1962	3000	32
1975.	4000	13.
1987	5000	12
1999	6000.	12
2012*	7000	13
2025*	8000	14
2050*	10.000.	25.

NOTE. * - Projected figure.

Source:- United Nation Population Refrence Bureau 1998.

This data should be placed after third group ...

3. After industrial revolution.

जनसंख्या वृद्धि काल का यह दूसरा महत्वपूर्ण मोड़ है। 1779 में मानव ने जैव ईंधन का उपयोग शुरू किया तथा वाष्प ईंजन का आविष्कार किया। इसने उच्च लाभ एवं शीघ्र धन संचय को संभव बनाया। ग्रामीण क्षेत्र से नगरों की ओर जनसंख्या का पलायन हुआ। लोगों की बढ़ी क्रय शक्ति एवं स्थानान्तरण ने तीव्र जनसंख्या वृद्धि को दर्ज तो किया किंतु नए शहरों की स्लम बस्ती एवं औद्योगिक कूड़े-कचरों ने अनेक महामारियों को उत्पन्न किया। फलत: औद्योगिक क्रांति के समय बड़ी तीव्र गति से बढ़ी जनसंख्या आगे चल कर धीमी गति से वृद्धि दर्ज की।

DATA:

ऊपर के दिये आँकड़ों से स्पष्ट होता है कि विश्व की अधिकांश जनसंख्या महज पिछले कुछ शताब्दियों में ही बढ़ी है इसमें भी खासकर द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद के चार दशकों में। जनसंख्या में हुए अप्रत्याशित वृद्धि को इन तथ्यों से भली भाँति समझा जा सकता है कि अनुमानत: 1650 एवं 1850 ई० में विश्व की कुल जनसंख्या क्रमश: 500 million एवं 1000 million थी अर्थात यह 200 साल में दोगुणा हुआ। 1930 ई० में यह पुन: द्विगुणित होकर 2000 million हो गया किंतु इस बार यह मात्र 80 वर्षों में दुगुना हुआ था। फिर मात्र 45 वर्षों में, 1975 में यह द्विगुणित होकर 4000 million तक पहुँच गया। और वर्तमान वृद्धि दर पर अनुमानत: 2025 में यह पुन: दोगुना होकर 8000 million तक पहुँच जाएगा।